



Seminar on Opportunities in Forestry Sector
A Programme for College Students

Date : 02.02.2022 | TIMING : 03.00 PM

Organized by
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002

A one-day Seminar on "Opportunities in Forestry and Environment Sector" was organized for College/University students on 02.02.2022 at the Forestry and Environment Awareness Generation Camp of FRCER Prayagraj at Magh Mela area. The event was inaugurated with the lighting of the lamp by the Dr. Sanjay Singh, Scientist-G & Head and other dignitaries. In her welcome address Dr. Kumud Dubey, Scientist-E introduced the participants while highlighting the concept of the seminar.



Dr. Singh, delivered on entrepreneurship development in forestry and environment sector, emphasized on the value of innovation for successful entrepreneurship. He called for knowledge oriented specific careers in forestry, skill development, tree farming and forestry-based entrepreneurship. Guest speaker, Dr. Vaidurya Pratap Shahi, Co-Professor and Head of Department, Department of Plant Breeding and Genetics, SHUATS, while discussing the opportunity of biotechnology in the forestry sector, highlighted its need and importance keeping in pace with modern tools and techniques and their effective utilization.



Alok Yadav, Scientist-E while highlighting forestry education in India, described the educational and academic institutions where the students can have better understanding of forestry and develop their expertise. Group activity and interactive session with the experts was also included in the seminar which was attended by 40 undergraduate/post graduate students from various colleges and universities of Prayagraj and research scholars and project personnel of the Centre.

Dr. Anita Tomar, Scientist-F, Dr. PK Rai, Asso. Prof. SHUATS also gave their valuable inputs in the program. Vote of thanks was proposed by Dr. Anubha Srivastava, Scientist-D and the program was conducted by Dr. Satyendra Dev Shukla, STO.







वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

विधि पताका, प्रयागराज

पारि -पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में बुधवार को कालेज/विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में अवसर विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह तथा वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० कुमुद दुबे ने स्वागत भाषण में संगोष्ठी की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों का परिचय दिया। केन्द्र प्रमुख डा० सिंह ने वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर संबोधन देते हुए कहा कि प्रकृति तथा मानव जीवन को सुदृढ़ बनाने के लिए दोनों का स्तर बनाए रखना अति आवश्यक है। उन्होंने मानव जीवन में वानिकी से प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष लाभों पर चर्चा की तथा वानिकी को बढ़ावा देने में भारतीय



वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के योगदान पर विस्तृत व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता के रूप में डा० वैदुर्य प्रताप शाही सह - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग, शुआट्स ने वानिकी क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी के अवसर पर चर्चा करते हुए इनकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने भारत में वानिकी शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा प्राप्ति हेतु संबन्धित शिक्षण संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों का वर्णन किया साथ ही

विभिन्न विभागों एवं रोजगार पर भी चर्चा की। संगोष्ठी के समापन पर छात्रों तथा विषय विशेषज्ञों के बीच सामूहिक चर्चा के बाद संस्तुति प्रस्तुत की गयी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० अनुभा श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डा० सत्येन्द्र देव शुक्ला, व०त०अ० द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डा० अनीता तोमर वरिष्ठ वैज्ञानिक, विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारियों के साथ विभिन्न कालेजों के छात्र तथा डा० पी० के० राय, शुआट्स आदि उपस्थित रहे।

वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं.) पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में आज दिनांक 02.02.2022 को कालेज/विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में अवसर विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह तथा वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा

दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० कुमुद दुबे ने स्वागत भाषण में संगोष्ठी की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों का परिचय दिया। केन्द्र प्रमुख डा० सिंह ने वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर संबोधन देते हुए कहा कि प्रकृति तथा मानव जीवन को सुदृढ़ बनाने के लिए दोनों का स्तर बनाए रखना अति आवश्यक है। उन्होंने मानव जीवन में

किसान की ईट-पत्थर से सिर कूचकर हत्या

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में मंगलवार की रात खेत की रखवाली कर रहे किसान की ईट-पत्थर से सिर कूचकर हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। हत्या की वजह पुरानी रंजिशा बताई जा रही है।

नवाबगंज के इब्राहिमपुर गांव निवासी राम बहादुर पटेल 40वर्ष पुर स्वर्गीय छोटे लाल पटेल खेती के सहारे तीन बेटी और पत्नी राजकुमारी समेत परिवार का भरण-पोषण करता था। प्रतिदिन की भांति सोमवार रात घर से भोजन करने के बाद खेत की रखवाली करने चला गया। जहां छप्पर के बाहर बुधवार सुबह उसका शव खून से लथपथ पाया गया। परिवार के लोगों ने वारदात की सूचना पुलिस को दी।

हत्या की सूचना पर नवाबगंज थाने की पुलिस बल के साथ क्षेत्राधिकारी सोरांव एवं अपर पुलिस अधीक्षक गंगापार अभिषेक कुमार अग्रवाल पहुंचे। घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए मौके पर फॉरेंसिक टीम एवं डॉग स्क्वाड की टीम भी पहुंची।



वानिकी से प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष लाभों पर चर्चा की तथा वानिकी को बढ़ावा देने में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के योगदान पर विस्तृत व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता के रूप में डा० वैदुर्य प्रताप शाही सह - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग, शुआट्स ने वानिकी क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी के अवसर पर

महत्व पर प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने भारत में वानिकी शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा प्राप्ति हेतु संबन्धित शिक्षण संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों का वर्णन किया साथ ही विभिन्न विभागों एवं रोजगार पर भी चर्चा की। संगोष्ठी के समापन पर छात्रों तथा विषय विशेषज्ञों के बीच सामूहिक चर्चा के बाद संस्तुति प्रस्तुत

श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डा० सत्येन्द्र देव शुक्ला, व०त०अ० द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डा० अनीता तोमर वरिष्ठ वैज्ञानिक, विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारियों के साथ विभिन्न कालेजों के छात्र तथा डा० पी० के० राय, शुआट्स आदि उपस्थित रहे।

मध्य रेलवे

दिनांक: 01.02.2022

निवेदा सूचना

सामग्री प्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदाएं

पण मात्रा निविदा खुलने की तिथि

वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

इलाहाबाद एक्सप्रेस प्रयागराज। पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में दिनांक 02.02.2022 को कालेज/ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में अवसर विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह तथा वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० कुमुद दुबे ने स्वागत भाषण में संगोष्ठी की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों का परिचय दिया। केन्द्र प्रमुख डा० सिंह ने वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर संबोधन देते हुए कहा कि प्रकृति तथा मानव जीवन को सुदृढ़ बनाने के लिए दोनों का स्तर बनाए रखना अति आवश्यक है। उन्होंने मानव जीवन में वानिकी से प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष लाभों पर चर्चा की तथा

वानिकी को बढ़ावा देने में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के योगदान पर विस्तृत व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता के रूप में डा० वैदुर्य प्रताप

साथ ही विभिन्न विभागों एवं रोजगार पर भी चर्चा की। संगोष्ठी के समापन पर छात्रों तथा विषय विशेषज्ञों के बीच सामूहिक चर्चा के बाद संस्तुति प्रस्तुत की गयी।



शाही सह - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग, शुआट्स ने वानिकी क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी के अवसर पर चर्चा करते हुए इनकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने भारत में वानिकी शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा प्राप्ति हेतु संबन्धित शिक्षण संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों का वर्णन किया

वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० अनुभा श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डा० सत्येन्द्र देव शुक्ला, व०त०अ० द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डा० अनीता तोमर वरिष्ठ वैज्ञानिक, विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारियों के साथ विभिन्न कालेजों के छात्र तथा डा० पी० के० राय, शुआट्स आदि उपस्थित रहे।

वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं.) पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में आज दिनांक 02.02.2022 को कालेज/विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए 'वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में अवसर' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह तथा वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० कुमुद दुबे ने स्वागत भाषण में संगोष्ठी की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों

का परिचय दिया। केन्द्र प्रमुख डा० सिंह ने वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर संबोधन देते हुए कहा कि प्रकृति तथा मानव जीवन को सुदृढ़ बनाने के लिए दोनों का स्तर बनाए रखना अति आवश्यक है। उन्होंने मानव जीवन में वानिकी से प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष लाभों पर चर्चा की तथा वानिकी को बढ़ावा देने में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के योगदान पर विस्तृत व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता के रूप में डा० वैदुर्य प्रताप शाही सह - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी

विभाग, शुआट्स ने वानिकी क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी के अवसर पर चर्चा करते हुए इनकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने भारत में वानिकी शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा प्राप्ति हेतु संबन्धित शिक्षण संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों का वर्णन किया साथ ही विभिन्न विभागों एवं रोजगार पर भी चर्चा की। संगोष्ठी के समापन पर छात्रों तथा विषय विशेषज्ञों के बीच सामूहिक चर्चा के बाद संस्तुति प्रस्तुत की गयी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० अनुभा श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन



दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डा० सत्येन्द्र देव शुक्ला, व०त०अ० द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डा० अनीता तोमर वरिष्ठ वैज्ञानिक, विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत

शोधछात्र तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारियों के साथ विभिन्न कालेजों के छात्र तथा डा० पी० के० राय, शुआट्स आदि उपस्थित रहे।

वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन



कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में आज कालेज/विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए ड'वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में अवसर'ड विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह तथा वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 कुमुद दुबे ने स्वागत भाषण में संगोष्ठी की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों का परिचय दिया। केन्द्र प्रमुख डा0 सिंह ने वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर संबोधन

देते हुए कहा कि प्रकृति तथा मानव जीवन को सुदृढ़ बनाने के लिए दोनों का स्तर बनाए रखना अति आवश्यक है। उन्होंने मानव जीवन में वानिकी से प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष लाभों पर चर्चा की तथा वानिकी को बढ़ावा देने में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के योगदान पर विस्तृत व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता के रूप में डा0 वैदुर्य प्रताप शाही सह - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग, शुआट्स ने वानिकी क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी के अवसर पर चर्चा करते हुए इनकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने भारत में वानिकी शिक्षा पर प्रकाश

डालते हुए शिक्षा प्राप्ति हेतु संबन्धित शिक्षण संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों का वर्णन किया साथ ही विभिन्न विभागों एवं रोजगार पर भी चर्चा की। संगोष्ठी के समापन पर छात्रों तथा विषय विशेषज्ञों के बीच सामूहिक चर्चा के बाद संस्तुति प्रस्तुत की गयी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डा0 सत्येन्द्र देव शुक्ला, व0त0अ0 द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डा0 अनीता तोमर वरिष्ठ वैज्ञानिक, विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारियों के साथ विभिन्न कालेजों के छात्र तथा डा0 पी0 के0 राय, शुआट्स आदि उपस्थित रहे।

वानिकी एवं पर्यावरण में उद्यमिता पर चर्चा

प्रयागराज। पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र की ओर से बुधवार को संगम क्षेत्र में वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर के तहत संगोष्ठी हुई। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रकृति तथा मानव जीवन को मजबूत बनाने के लिए दोनों में संतुलन बनना जरूरी है। डॉ. वैदुर्य प्रताप शाही और वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने रोजगार पर चर्चा की।